

**प्रेस विज्ञप्ति**

*एन.आर. माधव मेनन के सम्मान में* आईआईएमए

पहली बार समकालीन भारत में कानून तथा कानूनी संस्थानों

के सम्मेलन की मेजबानी करेगा

**21 नवंबर, 2019 | अहमदाबाद :** भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद 23 नवंबर, 2019 को दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित समकालीन भारतीय में कानून तथा कानूनी संस्थानों के सम्मेलन के लिए पूरी तरह तैयार है। यह सम्मेलन कानूनी प्रबुद्ध तथा संस्थान निर्माता श्री एन.आर. माधव मेनन के कार्य-जीवन का जश्न मनाने के लिए है।

इस एक-दिवसीय सम्मेलन में व्यापक अर्थों में कानून, कानूनी संस्थानों और कानूनी शिक्षा पर गौर किया जाएगा और यह पता लगाया जाएगा कि ये फिर से फिर से कैसे राष्ट्रीय विकास में योगदान दे सकते हैं।

प्रोफ़ेसर एर्रोल डी`सूज़ा, निदेशक, आईआईएमए ने बताया, "*यह सम्मेलन भारतीय कानून प्रणाली तथा शिक्षा में प्रोफ़ेसर माधव मेनन के योगदानों का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। उनका सबसे बड़ा योगदान बहुत कम संसाधनों के साथ विश्व स्तरीय संस्थानों का निर्माण करना है। वे दुनिया के बाकी हिस्सों के साथ वाणिज्यिक लेनदेन में संभावित शोषणकारी परिणामों से देश की रक्षा करने के तरफ़दार थे और महत्त्वपूर्ण ग्रंथ* ***मुक्त समाज में कानून के नियम*** *के संपादक थे। यह संगोष्ठी यह समझने के लिए एक अवसर है कि कानूनी संस्थाएँ और कानूनी शिक्षा राष्ट्रीय विकास में कैसे योगदान करती हैं।”*

सम्मेलन के अध्यक्ष, प्रोफ़ेसर एम.पी. राम मोहन ने आगे बताया, *"प्रोफ़ेसर मेनन यथास्थिति को परिवर्तित करने और बड़े सपने देखने के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने दो विश्व स्तरीय संस्थानों का निर्माण किया – भारतीय राष्ट्रीय विधि स्कूल विश्वविद्यालय, बैंगलुरू और पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय न्यायशास्त्रीय विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता। इन संस्थानों के छात्र तथा सहकर्मी उनकी विरासत को हमेशा याद रखेंगे। वकीलसंघ–बार, न्यायपीठ–बैंच और शिक्षाविद जो विश्व में चारों तरफ शिक्षाविदों, वकीलों, न्यायाधीशों और शोधकर्ताओं के रूप में कार्यरत हैं वे स्वयं को प्रतिभाशाली एवं प्रशिक्षित* ***सामाजिक अभियंताओं*** *के तौर पर निर्मित होने के लिए उनके प्रति हमेशा आभारी रहेंगे।"*

माननीय श्री माइकल किर्बी, ऑस्ट्रेलिया उच्च न्यायलय के पूर्व न्यायाधीश और अंतरराष्ट्रीय वकीलसंघ एसोसिएशन में मानव अधिकार संस्थान के सह-अध्यक्ष अपनी स्मृतियों को याद करते हुए बताते हैं, "*प्रोफ़ेसर माधव मेनन भारत के सबसे महान कानून शिक्षकों, विद्वानों तथा प्रशासकों में से एक थे। उन्होंने समझ लिया था कि कानूनी शिक्षा कानून के शासन तथा सार्वभौमिक मानवाधिकारों की रक्षा करने के लिए महत्त्वपूर्ण है। मैं उनके जीवनभर के कार्यों का सम्मान करता हूँ और उनके निधन पर शोक व्यक्त करता हूँ। परंतु उन्होंने भारत में कानून शासन के लिए सबसे मूल्यवान विरासत दी है और भारतीय सीमाओं से परे बहुत गुण गाए हैं।*"

सम्मेलन में योगदान देने वालों में कुछ प्रमुख हस्तियों में शामिल हैं – कृष्णन वेणुगोपाल, वरिष्ठ अधिवक्ता, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय; सिद्धार्थ वरदराजन, संस्थापक संपादक, द वायर; निर्मल कांति चक्रवर्ती, कुलपति, पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय न्यायशास्त्रीय विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता। सम्मेलन श्री मेनन की रुचि तथा योगदान के इर्दगिर्द केंद्रित रहेगा, परंतु भारत की वर्तमान स्थिति पर गौर करने के लिए इससे भी आगे जाएगा। इस सम्मेलन में विधि स्कूलों के प्रमुख शिक्षाविदों, वकीलों और पूर्वछात्रों की प्रतिभागिता रहने की उम्मीद है।

अधिक विस्तार से जानने के लिए कृपया इस लिंक पर जाएँ : <https://web.iima.ac.in/calendar/event/law-and-legal-institutions-in-contemporary-india-in-honour-of-n-r-madhava-menon/>

- विषयांत -

*मीडिया प्रश्नों के लिए, कृपया संपर्क करें :*

**दीपक भट्ट**

**प्रबंधक, संचार**

दूरभाष : (सेल) +91-9426229429, (कार्यालय) +91-79-66324683

ईमेल : mngr-comm@iima.ac.in

**मितली नायडू**

**कार्यकारी, जनसंपर्क**

दूरभाष : (सेल) +91-7069074816, (कार्यालय) +91-79-66324684

ईमेल : pr@iima.ac.in